RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 52 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 2 जून 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

5 जून 1940 - 15 जनवरी 1989

स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया

(संस्थापक पिघलता हिमालय)

की

85 वीं जयन्ती पर शत-शत नमन।

हिमालयी संस्कृति के स्तम्भ के रूप में

संकल्प के साथ

पिघलता हिमालय परिवार

एवं

परिजन

पूर्णागिरी मेले में भी टनकपुर की रौनक गायब

कार्यालय प्रतिनिधि

टनकपुर। उत्तर भारत का सुप्रसिद्ध मेला इन दिनों चरम पर है लेकिन इसका प्रमुख पड़ाव टनकपुर मेले के दौरान भी उदास दिखाई दे रहा है। मेले में कारोबार चमकने की आश लगाये कारोबारी कह रहे हैं कि जब दर्शनार्थी टनकपुर में रुकेंगे ही नहीं तो शहर की रौनक कैसे होगी और कारोबार भी क्या होगा? दरअसल नगर पालिका परिषद का बोर्ड बने तीन महीने से ऊपर का समय हो चुका है लेकिन इसके द्वारा शहर के लिये क्या किया गया है उसकी चर्चा भी कम नहीं है। पालिका चैयरमैन और ईओ बीच जिस प्रकार तालमेल है वह भी बराबर चर्चा में है। ऐसे में सीएम कैम्प कार्यालय द्वारा मध्यस्तता कर माहौल बनाया गया लेकिन मेले के दौरान शहर में जिस प्रकार की सजावट होनी चाहिये थी वह हवा है। शारदा घाट में रुकने वाले यात्रियों की संख्या भी इस बार कम है। पूर्णागिरी दर्शन के लिये आ रहे लोग सीधे मन्दिर दर्शन के बाद जब लौटते हैं तो सीमा पार नेपाल में सिद्धबाबा मन्दिर के दर्शन कर वापसी कर रहे हैं। यात्री सुविधा के लिये स्पेशल रेल सुविधा भी इस बार है लेकिन ठहराव न होने से टनकपुर ताकता रह गया है।

सीएम पुष्कर धामी के आगे सब बौने

चम्पावत। 2027 के चुनाव की बात अभी दूर है लेकिन बात न हो ऐसा हो नहीं सकता। सीएम के विधानसभा क्षेत्र में बराबर चर्चा हो रही है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अगला चुनाव इसी सीट से लड़ेंगे। देखने में आ रहा है कि जिस प्रकार से वह लगातार चम्पावत, लोहाघाट, टनकपुर, बनबसा में सम्पर्क बनाए हुए हैं और कई दौरे करत हुए स्वयं संज्ञान ले रहे हैं उससे वह गहरी पकड़ बना चुके हैं। उनके विरोधी भी मानने लगे हैं कि सीएम धामी के आगे सब बौने हैं।

गीता धामी भी तय हैं!

खटीमा। सीएम पुष्कर धामी के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर जनता के बीच पहुंच रहीं श्रीमती गीता धामी को लेकर भी चर्चाएं तेज हो चुकी हैं कि वह 2027 के चुनाव में भाजपा की ओर से चुनाव मैंदान में हो सकती हैं। खटीमा में कांग्रेस-भाजपा के बीच 50-50 देखते हुए भाजपा की रणनीति ऐसी हो सकती है।

भारत के मीलपत्थर

भारत के व्यक्तित्व का एक नाम- संस्कृत

सूर्यकान्त बाली

तीन हजार साल तक लगभग जिस भाषा में मन्त्र लिखे गए हों, क्या वह भाषा नकली ओर टक्साली हो सकती है? जिस भाषा में आज से छह हजार साल पहले एक बृहत् प्रबन्ध काव्य लिखा गया हो- रामायण और पाँच हजार साल पहले उसे भी चार गुना बृहत्तर एक और प्रबन्ध काव्य लिखा गया हो- महाभारत, तो क्या इन प्रबन्ध काव्यों की भाषा नकली ओर टकसाली हो सकती है? जिस भाषा में भारत के चारों कोनों में बसे ऋषियों-कवियों ने मन्त्र लिखे हों, हर वर्ग के, यहाँ तक कि जिसे हम शूद्र वर्ण कहते हों, इस वर्ण के भी ऋषि कवियों ने मन्त्र लिखे हो, क्या वह भाषा नकली और टकसाली हो सकती है? जिन प्रबन्धकाव्यों की मुख्यकथा और उनमें वर्णित उपकथाएँ सारे देश के मानस में रच-बस गई हों, लोगों के स्वभाव और चरित्र का हिस्सा बन गई हों, क्या ऐसे प्रबन्ध काव्यों की भाषा नकली और टकसाली हो सकती है?

नहीं हो सकती। कैसे हो सकती है भला? पर इन सभी मैदानी सच्चाइयों को ठोकर मारते हुए पश्चिमी विद्वानों ने हमें सिखा दिया (और हम सीख भी एग) कि संस्कृत एक ऐसी नकली भाषा है जो ब्राह्मणों ने अपने स्वार्थ के लिए गढ़ी थी और जिसे अपनी अभिव्यक्ति का जरिया बनाकर ब्राह्मणों ने दूसरे जाति वर्गों को अपनी मुट्ठी में दबाए रखा। यह भी करीब-करीब वैसा ही झूठ है जैसे कि आर्य किसी नस्ल का नाम है, जैसे यह एक झूठ है कि हम भारतीयों के पूर्वज किसी दूसरे स्थान से इस देश में आए थे, जैसे यह झूठ है कि दास उन लोगों को कहा गया तजो हमारे पूर्वजों के यहाँ आने से पहले यहाँ के मूल निवासी थे। अगर संस्कृति एक नकली और टकसाली भाषा है तो हमें कृपया कम से कम एक ऐसी नकली और टकसाली भाषा और भी बता दी जाए, जिसमें किसी देश ने लगातार आठ-नौ हजार सालों तक साहित्यिक और बौद्धिक गतिविधि की हो, जिसमें उस देश की तमाम माइथोलोजी लिखी और बिछी पड़ी हो, जिसमें उस जाति के रामायण और महाभारत सरीखे राष्ट्रीय प्रबन्धकाव्य लिख दिए गए हों और जिसके शब्द उस देश की तमाम मध्यकालीन और आधुनिक भाषाओं को समृद्धि बढ़ा रहे हों। यहाँ पर हम महज फुटनोट के तौर पर एक महत्वपूर्ण सूचना दर्ज देना चाहते हैं कि पूरा पश्चिमी जगत पिछले कई दशकों से एस्पिरेन्तो नामक एक नकली भाषा बनाने और विकसित करने में अरबों डालर और पौंड खर्च कर चुका है, पर भाषा का प्रसार तो बाद की बात है, लोग इस भाषा का नाम तक भी आमतौर पर नहीं जानते। जब टैक्नोलोजी और संचार माध्यमों के इस कदर विकसित युग में एक नकली भाषा को स्थापित नहीं किया जा पा रहा हो तो बेचारे ब्राह्मणों में वह दिव्य शक्ति कहाँ से आ गई थी कि उन्होंने एक ऐसी नकली भाषा बना डाली कि आठ नौ हजार साल बीत चुके हैं और वह आज भी इस देश के व्यक्तित्व की एक पहचान बनी हुई है?

वेदों के बारे में इतना कुछ कह चुकने के बाद, रामायण के बारे में काफी कुछ कह चुकने के बाद और महाभारत के बारे में कुछ भी कहने से पहले हम संस्कृत के बारे में कुछ कहने का आग्रह क्यों कर रहे हैं? इसलिए कि भारत की सभ्यता के विकास में इस भाषा का इतना जबर्दस्त योगदान रहा है कि संस्कृत के बारे में हमें उस वक्त कुछ कहना मुनासिब लग रहा है, जब वह अपने हजारों वर्षों के इतिहास में एक खास संक्रमण काल में गुजर रही थी।

आधुनिक भाषा विज्ञान में किसी भी सिद्धान्त या फार्मूले का हम अपना मानदण्ड बना लें, संस्कृत वैदिक कालीन भारतवर्ष की आम बोलचाल की भाषा में साबित होती है। अगर भाषाई प्रयोगों की विविधता को आधार बनाया जाए तो वेदों के मन्त्रों की भाषा रूप-विविधता हैरानी कर देने वाली है। अगर इलाकाई विशेषताओं की गवाही मानी जाए तो खुद भारत के पूर्वी हिस्सों में कवि विश्वामित्र, शुन:शेप और दीर्घतमा की पश्चिम के मैत्रावरुणि, वसिष्ट और दक्षिण के अगस्त्य की भाषा में इलाकाई विशेषताएं साफ नजर आ जाती हैं। जिस कदर पूरे भारत की मध्यकाली पाली-प्राकृत-अपभ्रंश में सभी आधुनिक भाषाओं और बोलियों में वैदिक शब्दों की आज

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

कैसी भक्ति और कैसे सेवक?

उत्तराखण्ड को देवभूमि कहा जाता है और प्रकृति के अनुपम नजारे के बीच शिव और आदि शक्तियों का स्मरण करते हुए भक्तगण प्राचीन काल से यहाँ आते रहे हैं। इन आने वाले सन्तों, भक्तों, योगियों की सेवा में तत्पर सेवक अपने को धन्य मानते हैं। लेकिन महसूस हो रहा है कि वर्तमान में न तो वैसे सन्त, भक्त, योगी देवभूमि में आ रहे हैं और न ही वैसे सेवक हैं जो सेवा करना अपना धर्म और कर्तव्य मानते थे। पर्यटक व्यवसाय के अलावा इसे मौज-मस्ती का सफर मानने वालों के कृत्यों से जो वातावरण तैयार होने लगा है वह सिर्फ समय गुजारने वाले, तफरी वाले, मौकापरस्तों की बहार का खेल दिखाई दे रहा है। इसका ही प्रभाव है चारधाम यात्रा में मारपीट की सूचनाएं, पूर्णागिरी यात्रा में हंगामा, आदि कैलास यात्रा में जबरन वसूली जैसी सूचनाएं सुनने को मिली हैं।

असल में धार्मिक यात्राओं के पीछे जो मान्यताएं रही हैं उसके अनुसार गृहस्थ आश्रम के बाद वानप्रस्थ आश्रम के समय लोग इस प्रकार की यात्राओं में शामिल हो जाते थे ताकि वह अपने जीवन के शेष दिनों को ईश्वर की भक्ति से जोड़कर देखें। इसके अलावा विलक्षण व्यक्ति, सन्त-महात्मा हिमालय की यात्रा पर निकल पड़ते थे ताकि वह आदि शक्ति के चमत्कार को जान सकें। इस प्रकार की मान्यताओं में दुनियादारी के मायामोह को छोड़कर ही जाया जा सकता है लेकिन वर्तमान की यात्रा में अपना प्रचार, दिखावा, धन्धेबाजी जुड़ी है। जिस कारण चारधाम यात्रा मार्ग पर अश्लील हरकत करने वालों के वीडियो वायरल हुए हैं। पूर्णागिरी क्षेत्र के शारदा घाट पर यात्रियों के मारपीट की वीडियो चर्चा में रही। आदि कैलास यात्रा में पर्यटकों से अभद्रता और जबरन वसूली पर जिलाधिकारी का सख्त होना पड़ा। श्रद्धालुओं की शिकायत पर डीएम ने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई को कहा। बाद में बैठक के बाद मामला निपटाया गया।

इस सच को पहचान लेना चाहिये कि धार्मिक यात्राओं की आड़ में तमाशबीन ज्यादा होते जा रहे हैं और भक्तिभाव वालों के स्थान पर अपना मनोरंजन करने वाले मन बहला रहे हैं। सीधी सी बात है कि जब इस प्रकार का चलन होगा तो कुकृत्य, उछृंखलता, ठगी, मारपीट जैसी घटनाओं में बढ़ोत्तरी होगी ही। जबकि धार्मिक यात्रा का मतलब सुख-शान्ति से जुड़ा है। इसलिये सभी ने इसकी पवित्रता को दृष्टि में रखना चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

दबाव की समस्या से मिशन अधूरा : इसरो

श्रीहरिकोट। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी)-सी61 रॉकेट के जरिए पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को अन्तरिक्ष में स्थापित करने का भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संस्थान का 101वां मिशन यान के तीसरे चरण के दबाव सम्बन्धी समस्या से पूरा नहीं हो सका। इसरो अध्यक्ष वी.नारायण ने जानकारी दी।

नीदरलैंड के साथ द्विपक्षीय संबंधों को गति

हेग। विदेश मंत्री एस.जयशंकर द्विपक्षीय सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से नीदरलैंड के नेतृत्व के साथ वार्ता करने के लिये पहुंचे। वह तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में नीदरलैंड पहुंचे थे। इसके बाद डेनमार्क और जर्मनी यात्रा की।

पाकिस्तान सेनाध्यक्ष मुनीर बने फील्ड मार्शल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को भारत के साथ हालिया संघर्ष्ज में सशस्त्र बलों का नेतृत्व करने के लिए फील्ड मार्शल बना दिया गया। मुनीर को पदोन्नत करने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमण्डल की बैठक में लिया गया।

फर्जी शादियां करने वाली ठग दुल्हन गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने 23 साल की युवती को गिरफ्तार किया है जिस पर 23 फर्जी शादियां करने का आरोप है। युवती शादी के बाद नकदी व कीमती सामान लेकर गायब हो जाती थी।

युद्ध जैसी स्थिति खतरनाक मोड़ ले सकती थी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहलगाम आतंकवादी हमले को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध की स्थिति बहुत खतरनाक मोड़ ले सकती थी।

आतंकवाद पर लगाम तक सिंधुसंधि निलम्बित

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ सिन्धु जल सन्धि तक तक स्थगित रहेगी जब तक इस्लामाबाद सीमा पर आतंकवाद को समर्थन देना बन्द नहीं कर देता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के साथ कोई भी द्विपक्षीय वार्ता तभी होगी जब वह अवैध कब्जा छोड़ देगा।

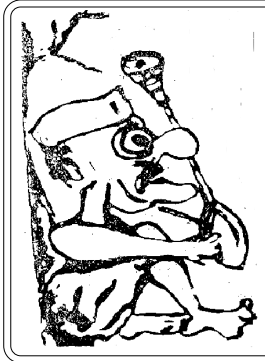

फसक

दाज्यू, गजब की स्वेरास्वेर हो रही ठैरी

कथा कौन सुन रहा आजकल, सब पटकथा लिख रहे हैं बल

दाज्यू, प्रमोशन को लेकर देरी पर सार्वजनिक मंच पर शिक्षा मंत्री को खरीखरी सुनाने वाले ग्वड़ पीएमश्री स्कूल गोपेश्वर के सहायक अध्यापक ललित मोहन सती की धुन पर शिक्षक नाच रहे हैं। शिक्षक संघ अपने शिक्षक के पक्ष में आ चुका है और कह रहा है- 'शिक्षक सती के खिलाफ कार्रवाई की बात हो रही है, अधिकारियों को क्यों नहीं देखा जा रहा।' दाज्यू, शिक्षक की भड़ास तो ठोस लग रही है लेकिन क्या करें? कथा कौन सुन रहा आजकल, सब पटकथा लिख रहे हैं बल। मास्साब को कर्मचारी आचरण का हवाला देकर भभका दिया जा रहा है।

दाज्यू, गजब की स्वेरास्वेर हो रही ठैरी। जितना ज्यादा हो सके उतना समेटने के लिये फैल रहे हैं। यमुनोत्री धाम की यात्रा में रोटेशन व्यवस्था में हो रही गड़बड़ी को लेकर खसखाली की महिलाओं और मजदूरों ने घोड़ा पड़ाव जानकी चट्टी में हंगामा कर दिया और कहा कि वे लोग यात्रा सीजन पर घोड़े खच्चरों पर निर्भर हैं लेकिन जिला पंचायत व कुली एजेंसी के ठेकेदार फर्जी तरीके से बाहरी लोगों को प्राथमिकता देकर घोड़े खच्चरों का संचालन करवा रहे हैं।

दाज्यू, खटीम के प्रतापपुर गंगापुर के नितिन का कहना है- 'जमीन बेचने के नाम पर उनके साथ करोड़ों की धोखाधड़ी हो गई। रुद्रपुर के ग्राम लालपुर में नेशनल हाईवे से लगी कृषि भूमि का सौदा हुआ था लेकिन रजिस्ट्री नहीं की गई।' दाज्यू, हाथ-पैर फैलाने वाले भी तो भूल जाने वाले ठैरे कि किसकी संगत है और कैसी रंगत होगी? डीडीहाट में एक महिला को अश्लील काल व मैसेज भेजने वाला गागरीगोल निवासी को पुलिस ने पकड़ लिया। थेचान-कुटान का जमाना रहा नहीं, जाँच चल रही है। इसी प्रकार काशीपुर में एक महिला और उसके साथी पर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर तीन लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पुलिस जाँच कर रही है।

स्वेरास्वेर की दुनिया में कोई कम नहीं है। रुद्रपुर में 47 किलो गांजे के साथ फर्जी वकील समेत दो तस्कर पकड़े गये। दाज्यू, वकील, प्रोफेसर, डाक्टर, इंजीनियर सब कहने की बात है....कौन कब चटकराने लेने लगेगा कहा नहीं जा सकता। कलजुग का यही तो सच है।

अल्मोड़ा के सोबन सिंह जीना परिसर के विधि संकाय में एक छात्रा का शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न पर शिक्षिकाओं के निलम्बन की मांग को लेकर प्रदर्शन हुआ है। पटरी पार वाले कालेज में आरोपी प्रोफेसर रूप बदलकर अपनी सफाई दे रहा है बल। दाज्यू, स्थानान्तरण का रोना-पीटना जारी है। पहाड़ से सुगम में प्रयोगात्मक परीक्षा के लिये बहाना बनाने वाली मैडम ने सुगम के लिये अनुरोध पत्र भर दिया है। समझ नहीं आ रहा है कि अपने दर्द का गुब्बार पूरी व्यवस्था पर क्यों फोड़ते हैं। काशीपुर न्यायालय के सामने आपस में दो वकील भिड़ गये। हमले में राकेश चौधरी को गम्भीर चोट आई। साथ ही एक महिला पुलिसकर्मी भी घायल हो गई। दाज्यू, रुद्रपुर में निर्दलीय महिला पार्षद के परिवार को धमकी मिली है। सत्तापक्ष के कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाते हुए गुस्साए लोगों ने प्रदर्शन किया। दाज्यू, आगे निकलने की ऐसी होड़ मची है कि हड्डी का चूरा बन जाए। हे भगवान..

-तुम्हारा भुली झकरुवा

आपके पत्र

उत्तराखण्ड राज्य में लेखा परीक्षा विभाग का प्रशासनिक ढांचा बदले

उत्तर प्रदेश राज्य का विभाजन होने तक उक्त राज्य में लेखा परीक्षा विभाग में सहकारिता एवं पंचायत ऑडिट विभाग एवं स्थानीय निधि (लोकल फण्ड) लेखा परीक्षा दो पृथक विभाग थे उनका प्रशासनिक ढांचा अलग अलग था। एक सहकारिता एवं पचायत लेखा परीक्षा विभाग था जिसके विभागीय (मुख्यालय में) मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी तथा सम्भागीय (मण्डली) स्तर पर सम्भागीय लेखा परीक्षा अधिकारी तथा जिला स्तर पर जिला लेखा परीक्षा अधिकारी (कार्यालय) थे। दूसरी तरफ स्थानीय लेखा निधि (लोकल फण्ड आर्गे.) विभाग उनका भी अपने तरह का प्रशासनिक ढांचा था उक्त सभी की अपने अपने स्तर पर प्रशासनिक जिम्मेदारियां थीं। इसके पश्चात नवम्बर 2000 में उत्तर प्रदेश का विभाजन होने पर पर्वतीय 13 जिले पृथक हो कर एक पृथक राज्य उत्तराखण्ड राज्य बनाया गया। इसके सभी विभागों की भांति यह विभाग 13 पर्वतीय जिलों (नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चम्पावत, उधमसिंह नगर, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून व हरिद्वार) उत्तराखण्ड में सम्मिलितहो गये। इसके पश्चात लेखा परीक्षा विभाग में सम्भागीय स्तर के मण्डलीय कार्यालय नैनीताल व पौड़ी का विलय कर लिया गया तथा जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, कार्यालय बने रहे। साथ ही सम्भागीय स्तर का कार्यालय मुख्यालय स्तर पर देहरादून की राजधानी बनाने से वहाँ विलय कर दिया गया। इसके बाद सहकारी एवं पंचायत के साथ साथ लोकर खण्ड विभाग का भी एकीकरण कर दिया गया है। अन्य विभागों के ऑडिट विभाग को इसमें सम्मिलित कर दिया गया तथा मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी स्तर में अधिकारी का पदनाम उपनिदेशक कर दिया गया तथा निदेशक लेखा परीक्षा को विभागीय मुख्य अधिकारी घोषित किया गया परन्तु लेखा विभाग का उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक ढांचा पूर्ववत मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारिता एवं पंचायत नाम से बना हुआ है। अब उत्तराखण्ड में विभागाध्यक्ष, निदेशक, लेखा परीक्षा (ऑडिट) उत्तराखण्ड हो गया है तथा जिले में जिला लेखा पीरक्षा अधिकारी सहकारिता एवं पंचायत ने होकर जिला लेखा परीक्षा अधिकारी (ऑडिट) पदनाम हो गया है। लेकिन अब लेखा परीक्षा सहकारिता एवं पंचायती का लेखा परीक्षा कार्य उक्त विभाग में अस्तित्व में है या नहीं इसकी जानकारी नहीं है। क्योंकि सहकारी संस्था एवं पंचायतों में लेखा परीक्षा चार्टेड अकाउंटेंट के ऑडिटर्स के द्वारा सम्पादित किया जाता है। यदि यह स्थिति है तो सहकारिता एवं पंचायती के लेखा परीक्षा कार्य का जिला परीक्षा अधिकारी के अधिकारी को क्यों हटाया गया, इसकी कोई जानकारी नहीं है। यदि लेखा परीक्षा अधिकारी का प्रशासनिक ढांचा परिवर्तित करने पर सहकारिता एवं पंचायत का लेखा परीक्षा हटाये जाने का कारण सार्वजनिक किया जाए, क्योंकि सहकारिता एवं पंचायतों को हटाया गया उचित नहीं था इसका कारण सरकार व विभाग ही जाने।

-नन्दाबल्लभ पाण्डे
वरिष्ठ नागरिक, ज्योलीकोट
(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि उत्तराखण्ड

श्री यमुनोत्री
30 अप्रैल, 2025

श्री गंगोत्री
30 अप्रैल, 2025

श्री केदारनाथ
2 मई, 2025

श्री बदरीनाथ
4 मई, 2025

श्री हेमकुंट साहिब
25 मई, 2025

हरित

चारधाम यात्रा

आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

सुगम एवं सुरक्षित चारधाम यात्रा

चारधाम मार्ग के समीप आध्यात्मिक और प्राकृतिक रत्न

यमुनोत्री के पास: जानकी चट्टी, हनुमान चट्टी, खरसाली गांव, सप्तऋषि कुंड, पांडव गुफा, लाखा मण्डल, केदारकांठा ट्रैक, राणा चट्टी

गंगोत्री के पास: गौमुख ट्रैक, भोजबासा, तपोवन, सूर्यकुंड व गौरीकुंड, हर्षिल वैली, मुखीमठ (मुखबा), दयारा बुग्याल ट्रैक, गरतांग गली, काशी विश्वनाथ मन्दिर, नचिकेताताल, डौडीताल

केदारनाथ के पास: भैरवनाथ मन्दिर, वासुकीताल, गौरीकुंड, त्रियुगीनारायण मन्दिर, चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला, गुप्तकाशी, देवरियाताल

बदरीनाथ के पास: माणा गांव, व्यास गुफा और गणेश गुफा, भीमशिला, औली, फूलों की घाटी, वसुधारा जलप्रपात, चरणपादुका, तप्तकुंड, नारदकुंड, ज्योतिर्मठ (जोशीमठ), सतोपंथ झील, पाण्डुकेश्वर, आदिबदरी मन्दिर, हेमकुंट साहिब

यात्रा के लिए जरूरी सामान

रेनकोट	सनग्लासेस	पानी की बोतल
मास्क	ग्लूकोस बिस्कुट	लाठी
कोल्ड क्रीम	टार्च	मंकी कैप
मफलर	कैनवास जूते	कैश
मोज़े	सैनिटाइज़र	स्वेटर
छाता	पहचान पत्र	दस्ताने

पंजीकरण के लिए

registrationandtouristcare.uk.gov.in

Toll Free number 0135 1364

Download the App:
touristcareuttarakhand

Google play App Store

हेलीकॉप्टर/अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं

www.heliyatra.irctc.co.in

आईआरसीटीसी हेल्पलाइन नं 1800110139
080-44647998/080-35734998

उत्तराखण्ड पर्यटन टोल फ्री नंबर:
1364/0135 3520100

महत्वपूर्ण सूचना

- यात्रा से पूर्व पंजीकरण अवश्य करायें।
- रजिस्ट्रेशन में सही मोबाईल नम्बर दर्ज करें।
- धामों पर "दर्शन टोकन" अवश्य प्राप्त करें।
- यात्रा मार्ग पर विभिन्न पड़ावों पर विश्राम करते हुए प्रस्थान करें।
- यात्रा मार्गों पर गंदगी न फैलायें एवं मार्ग को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।
- कृपया वाहनों की गति नियंत्रित रखें एवं वाहनों को निर्धारित स्थलों पर ही पार्क करें।
- greencard.uk.gov.in पर अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन करवाएं।
- यात्रा के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें।

स्वास्थ्य का रखें खास ख्याल

- यात्रा आरंभ करने से पहले निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में अपनी जांच अवश्य करायें।
- जिन्हें हृदय संबंधी दिक्कतें तथा हाइपरटेंशन है, वे अतिरिक्त सावधान रहें।
- रास्ते में कहीं भी लगे कि आपकी तबीयत ठीक नहीं है तो आगे यात्रा न करें और नजदीकी चिकित्सा केंद्र से संपर्क करें।
- जरूरी दवाइयां, फर्स्ट ऐड किट एवं मेडिकल हिस्ट्री सम्बन्धी रिपोर्ट साथ लेकर चलें।

आपकी यात्रा मंगलमय हो

त्रियुगी नारायण मन्दिर | गरतांग गली | फूलों की घाटी | हर्षिल वैली | देवप्रयाग | ऋषिकेश | औली

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

#ExploreUttarakhand @DIPR_UK

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

धूमधाम से मनेगा गोलज्यू महोत्सव

चम्पावत। नगर पालिका सभागार में आगामी गोलज्यू महोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। पालिकाध्यक्ष प्रेमा पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई बैठक में वक्ताओं ने अपने सुझाव दिये और स्टालों पर स्थानीय उत्पाद, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करने की बात कही गई। महोत्सव को धूमधाम से मानने के लिये दर्जा मंत्री श्यायनारायण पाण्डे ने भी विचार रखे।

स्टोन क्रशर लगने की सूचना से रोष

चम्पावत। बाराकोट ब्लाक की ग्रामसभा छल्दा के तल्ली बेट्टा गांव में ग्रामीणों को विश्वास में लिए बिना ठेकेदार व प्रशासन की ओर से स्टोन क्रशर लगाए जाने की सूचना से लोगों में रोष है। नाराज लोगों ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर एसडीएम कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

चण्डीगढ़ के लिये वॉल्वो बस संचालन

हल्द्वानी। हल्द्वानी डिपो से चण्डीगढ़ के लिए नई अनुबन्धित वॉल्बो बस का संचालन शुरू हो चुका है। बस रात्रि 12 बजे हल्द्वानी रोडवेज स्टेशन से चलेग और अगली सुबह 10 बजे चण्डीगढ़ रोडवेज बस स्टेशन पहुंचेगी। बस हल्द्वानी देहरादून-नहान-पांवटा साहिब से होते हुए चण्डीगढ़ पहुंचेगी।

कच्ची शराब बेचने वालों पर कार्रवाई हो

रामनगर। महिला एकता मंच ने मालधन में कच्ची शराब के विरोध में चौकी प्रभारी को ज्ञापन देने हुए कहा कि अवैध शराब के कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। महिलाओं बच्चों का घर से निकलना दूभर हो गया है। इस कारोबार में लिप्त लोगों पर कार्यवाही हो।

डीडीए के खिलाफ प्रदर्शन जारी

अल्मोड़ा। सर्वदलीय संघर्ष समिति का डीडीए के खिलाफ धरना-प्रदर्शन जारी है। समिति से जुड़े विभिन्न संगठनों की सभा में कहा गया कि प्रदेश सरकार को लोगों की समस्याओं की परवाह नहीं है। भवन बनाने के लिए लोगों को कई विभागों की दौड़ लगानी पड़ रही है। सरकार डीडीए हटाकर जनता को राहत दे।

शारदा कॉरिडोर योजनाएं तैयार करें

चम्पावत। डीएम नवनीत पाण्डेय ने शारदा कॉरिडोर की कंसलटेंट कम्पनी को क्षेत्रवार योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने स्थानीय आवश्यकताओं को देखते हुए परियोजना तैयार करने को कहा। डीएम ने शारदा कॉरिडोर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। कम्पनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि टनकपुर, पूर्णागिरी, बम, चका को इसमें शामिल किया है।

सरकार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को तैयार, हाईकोर्ट में दे दिया शपथपत्र

नैनीताल। प्रदेश में हरिद्वार को छोड़कर 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर राज्य सरकार तैयार है। सरकारी की ओर से हाईकोर्ट में शपथपत्र प्रस्तुत कर दिया गया है।

असल में हाईकोर्ट में जिला पंचायतों में निवर्तमान अध्यक्षों के बाद ग्राम पंचायतों में भी निर्वमान प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने को चुनौती देती याचिकाएं थीं। कोर्ट ने सरकार से पूछ लिया कि पंचायत चुनाव कब तक कराए जा सकते हैं। जिसमें राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि चुनाव कराने में सम्बन्धित प्रक्रिया तैयार है। सरकार के स्तर से आरक्षण के निर्धारण पर निर्णय होना है।

पूर्व प्रधान विजय तिवारी सहित अन्य ने जनहित याचिका दायर कर कहा था कि पहले राज्य सरकार ने जिला पंचायतों में निवर्तमान अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त किया फिर ग्राम पंचायतों का चुनाव कराने के बजाय वहां भी प्रशासक नियुक्त हुए। ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने में वे आगामी चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिये ग्राम पंचायतों का शीघ्र चुनाव कराया जाय। कोर्ट में शपथ के बाद अब सुगबुगाहट है।

पूर्व विधायक ठुकराल का आरोप

रुद्रपुर। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आईटीडीसी, हाईकोर्ट के स्थगन आदेश की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया है। वह कहते हैं कि 12 करोड़ की नीलामी को महज 6.49 करोड़ में सेटिंग कर निपटा दिया गया।

पत्रकार वार्ता करते हुए पूर्व ठुकराल ने कहा वर्तमान में पन्तनगर एयरपोर्ट का विस्तारीकरण हो रहा है। जिसके बाद से जद में आए सरकारी भवन, मकानों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में देश विदेश में बीज उत्पादन से विख्यात विशाल टीडीसी का भवन भी विस्तारीकरण की जद में आया है। कहा कि 2024 में शासन-प्रशासन की सांठगांठ के बाद स्थानीय निविदा निकलती हैं। चार सरणों की सरकारी निविदा 12 करोड़ निर्धारित हुई लेकिन 6. 49 करोड़ में गोपनीय तरीके से रुद्रपुर के सत्ताधारी नेता के करीबी को निविदा दे दी गई। जबकि नियमानुसार निविदा को सार्वजनिक किया जाता है। उन्होंने मामले की जांच की मांग की है।

नोटिस के बाद टनकपुर में हड़कम्प

टनकपुर। रेलवे विभाग द्वारा एक बार फिर से रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए मकान व दुकानों को हटाने के नोटिस के बाद हड़कम्प मचा हुआ है। रेलवे द्वारा दुकान व मकानों पर नोटिस चस्पा किये जा चुके हैं और शीघ्र अतिक्रमण हटाने को कहा है। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेलवे मार्ग के पर्वत होटल से मछली झाला तक रेलवे की भूमि में आ रहे अतिक्रमण के सम्बन्ध में नोटिस चस्पा किये गये हैं। करीब 160 लोगों को नोटिस देकर उनके मकान दुकान पर इन्हें चस्पा कर दिया है। कहा है कि शीघ्र इन्हें हटाएं अन्यथा बलपूर्वक हटाया जायेगा। बताते चलें कि नगर निकाय चुनाव से पहले भी अतिक्रमण हटाने का यह अभियान चला लेकिन विरोध प्रदर्शन और चुनाव कारणों से रुक गया था। अब पुनः इससे हलचल है।

हथकरघा प्रदर्शनी के विरोध पर उतरे

लोहाघाट। जीआईसी खेल मैदान में हथकरघा प्रदर्शनी लगने की सूचना के बाद से स्थानीय व्यापारी इसके विरोध में खड़े हो चुके हैं। इसके लिये उन्होंने जिला प्रशासन से अपनी बात रखी है।

सैनिक विश्राम गृह में व्यापार मण्डल की बैठक हुई। अध्यक्ष मनीष जुकरिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में हथकरघा प्रदर्शनी का एक सुर से विरोध किया गया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि बाहर से आये व्यापारी हथकरघा के नाम पर प्रदर्शनी लगाकर चायनीज सामान बेचते हैं। इसमें वह हथकरघा को छोड़ बगैर टैक्स दिए हौजरी, स्टील बर्तन, जूता चप्पल, प्लास्टिक, कॉकरी आदि सामान की बिक्री करते हैं। इसका व्यापार मण्डल पूर्ण विरोध करता है।

इसी प्रकार जीआईसी खेल मैदान में अग्निवीर भर्ती की तैयारी करवा रहे पूर्व सैनिक एनएसडी कमाण्डो मनोज करायत और फुटबाल कोच नितिन ढेक ने भी इसका विरोध किया है। कहा कि प्रदर्शनी लगने से युवा तैयारी नहीं कर पाएंगे। विरोध प्रदर्शन करने वालों में कीर्ति बगौली, योगेश मुरारी, देव सिंह धौनी, हेमन्त राय आदि थे।

बाहरी लोग नहीं खरीद सकेंगे कृषिभूमि

देहरादून। धामी सरकार की ओर से सख्त भूकानून अधिसूचना जारी होते ही प्रदेश भर में लागू हो चुका है। इसके अनुसार राज्य के 11 जिलों में प्रदेश से बाहर के लोग कृषि व उद्यान की भूमि नहीं खरीद सकेंगे। इस बीच, राजस्व विभाग भू कानून पोर्टल तैयार कर रहा है। इसमें बाहरी लोगों की जमीन खरीद फरोख्त का पूरा व्यौरा होगा।

बताया गया है कि दूसरे प्रदेशों के लोग अथवा परिवार नगर निकायों की सीमा से बाहर भी 250 वर्ग मीटर तक ही जमीन खरीद सकेंगे। इसके लिए भी उन्हें कानूनी शपथ पत्र देना होगा। साथ ही इस सम्बन्ध में तय की गई सभी प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इसके तहत यदि दूसरे राज्य के व्यक्ति नू कानूनी प्रक्रिया से गुजरकर जमीन खरीदने के बाद उसका सही इस्तेमाल नहीं किया तो भी उसकी जमीन सीधे जब्त कर ली जाएगी। इसके लिये भूकानून पोर्टल से शिकंजा होगा।

मैग्नेसाइट फैक्ट्री खोलने को प्रदर्शन

पिथौरागढ़। चण्डाक में वर्षों से बन्द पड़ी मैग्नेसाइट फैक्ट्री खोलने की मांग को लेकर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कहा कि यदि इसका संचालन होता है तो सीमान्त के कई युवाओं को रोजगार मिलेगा।

शहर से लगे चण्डाक में मैग्नेसाइट फैक्ट्री के समीप पूर्व दर्जा मंत्री महेन्द्र सिंह लुण्डी के नेतृत्व में एकत्रित हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस मौके पर श्री लुण्डी ने कहा कि धामी सरकार की जुमलेबाजी में पहाड़ खोखला होता जा रहा है। पहाड़ों में नए उद्योग स्थापित करने की बात करने वाली सरकार बन्द पड़े पुराने उद्योग तक नहीं खुलवा पा रही है। सरकार देहरादून में सम समय पर इन्वेस्टर समिट करती है लेकिन चण्डाक मैग्नेसाइट का मुद्दा सरकार के संज्ञान में नहीं रहता। कार्यकर्ताओं ने सरकार से इस फैक्ट्री का संचालन शुरू करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों में शमशेर महर, खीमराज जोशी, सुभाष पाण्डे, भुवन जोशी, महेश टम्टा आदि थे।

बेरीनाग में अतिक्रमण हटाने की मांग, ज्ञापन

बेरीनाग। नगर में सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने नगरपालिका परिषद चैयरमैन हेमवती पन्त के नेतृत्व में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। भट्टीगांव जमुनानगर की महिलाओं ने इस मांग पर पालिका को घेरा। इस मामले में चैयरमैन महिलाओं के साथ तहसील पहुंची और ज्ञापन दिया।

शहीद कै.दीपक को शौर्य चक्र

अल्मोड़ा। बग्वालीपोखर के कामा गांव निवासी शहीद कैप्टन दीपक सिंह को मरणोपरान्त शौर्य चक्र दिया गया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शहीद के माता-पिता को सम्मान दिया। शहीद दीपक सिंह सिग्नल कोर 48 बी बटालियन राष्ट्रीय राइफल में तैनात थे। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में 14 अगस्त 2024 को वह शहीद हुए थे।

परिक्रमा

रेलवे की विशेष यात्रा में बदरी-केदार

हरिद्वार। भारतीय रेलवे की पर्यटन शाखा आइआरसीटीसी भारत गौरव माससखण्ड एक्सप्रेस के द्वारा प्रदेश में मुख्य तीर्थयात्रा का आयोजन करने जा रही है। यह विशेष तीर्थयात्रा सात जून को नागपुर से बदरी-केदार-कार्तिक स्वामी यात्रा के लिये रवाना होगी। इसमें यात्री इन स्थलों के दर्शन कर सकेंगे।

पूर्व विधायक नेगी को क्लीन चिट

द्वाराहाट। एसीजीएम पंचम अपर सिविल जज अनामिका सिंह की अदालत ने पूव विधायक महेश नेगी को दुष्कर्म प्रकरण में क्लीन चिट देते हुए बड़ी राहत दी। अदालत ने शिकायतकर्ता महिला की ओर से प्रस्तुत आपत्ति खारिज की है लेकिन मेहश नेगी की ओर से महिला पर ब्लैकमेलिंग और मानसिक आघात का आरोप लगाते हुए 5 करोड़ रुपये का मानहानि का केस अदालत में विचाराधीन है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

वित्त आयोग की टीम ने उत्तराखण्ड के पर्यटन कारोबारियों के साथ बैठक की

हिमालय के संरक्षण व नैनीताल के पर्यटन पर गम्भीर मंथन

नैनीताल। वित्त आयोग की टीम का खास दौरा प्रदेश में हुआ है। हिमालय के संरक्षण व नैनीताल के पर्यटन पर गम्भीर मंथन के साथ यह बताया गया कि 31 अक्टूबर तक इसकी रिपोर्ट दी जाएगी। भारत के 16वें वित्त आयोग ने नैनीताल के पर्यटन उद्योग और व्यापार संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। आयोग के चैयरमैन अरविन्द पनगढ़िया के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में सभी संगठनों की ओर से महत्वपूर्ण सुझाव रखे गये।

पर्यटन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी। होटल एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड के वेद प्रकाश साह ने मसूरी, नैनीताल और अन्य पर्यटक स्थलों के आसपास बढ़ती जनसंख्या के कारण बुनियादी ढांचे पर बढ़ते दबाव को उजागर किया। उन्होंने मसूरी और नैनीताल को स्मार्ट और सतत हिल स्टेशन के रूप में विकसित करने के लिए एक समग्र मास्टर प्लान तैयार करने की सिफारिश की, जिसमें वर्षा जल संचयन, ठोस कचरा प्रबन्धन, केवल कार जैसे पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधनों और पीपीपी मोड में पार्किंग जैसी सुविधाओं को शामिल किया जाए।

साथ ही इन हिल स्टेशनों के आस पास पर्यटन सर्किट विकसित करने का भी सुझाव दिया गया ताकि उत्तराखण्ड के अन्य क्षेत्रों में इन मॉडलों को दोहराया जा सके। उन्होंने स्थानीय वनस्पति और जीव जन्तुओं के संरक्षण और पारम्परिक पर्यटन स्थलों से परे पर्यटन के विस्तार पर भी बल दिया।

नैनीताल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने सड़क, रेल और हवाई सम्पर्क को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन पलायन को रोकने में सहायक हो सकता है और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए दो-लेन सड़कों का निर्माण अत्यन्त आवश्यक है। साथ ही उन्होंने उत्तराखण्ड की झीलों और प्राकृतिक स्थलों के संरक्षण और सौन्दर्यीकरण के लिये समर्पित धनराशि आवंटित करने का प्रस्ताव रखा।

वित्त आयोग के अध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार किया जाएगा। बताया कि आयोग 31 अक्टूबर 2025 तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। आयोग कर राजस्व के न्यायपूर्ण और सन्तुलित वितरण के लिये प्रतिबद्ध है और उत्तराखण्ड जैसे राज्यों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जायेगा। बैठक में सचिव वित्त दिलीप जावलकर, सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे, आयुक्त दीपक रावत, अपर सचिव सोनिका, जिलाधिकारी वन्दना सिंह आदि उपस्थित थे।

कोरोना के बढ़ते मामलों से फिर शुरू हुआ सर्विलांस

देहरादून। देश के कई राज्यों में कोरोना जेएन वन वेरिएंट के मामले बढ़ने के बाद केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को सर्विलांस बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। इस पर सरकार ने राज्य के सभी अस्पतालों में संक्रमितों की जांच के साथ ही सर्विलांस बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। सचिव स्वास्थ्य डॉ.आर.राजेश कुमार के अनुसार केन्द्र के निर्देश पर राज्य में आईडीएसपी की टीम को सभी जिलों में सर्विलांस बढ़ाने को कहा गया है। साथ ही मरीजों की स्क्रीनिंग के निर्देश भी दिए हैं।

भारत के व्यक्तित्व...

प्रथम पृष्ठ का शेष

तक की भरमार मिलती है। इसका एक ही अर्थ है कि वेदों के मन्त्र तक की बोलचाल की भाषा में ही लिखे गए थे। अगर पंजाबी की 'बारी' शब्द का स्त्रीवाची रूप माना जाए जिसका अर्थ है दरवाजा? अगर 'बार' शब्द बोलचाल के स्तर पर दरवाजे के अर्थ में प्रयोग में न आ रहा होता तो कैसे खिड़क अर्थ देने वाले 'बारी' शब्द तक अपनी यात्रा कर पाता? ऐसे शब्द-प्रयोग हजारों की संख्या में हैं। कितने गिनवाएँ?

हर भाषा के बोलचाल रूप का अपना एक समय होता है और यही फार्मूला संस्कृत पर भी लागू होता है। हम कई बार कह आए हैं कि वेदों के मन्त्र लगातार तीन हजार साल तक लिखे जाते रहे। अब हम बोलचाल की भाषा के सन्दर्भ में इससे एक नई सूचना जोड़ देना चाहते हैं। जब वाल्मीकि ने अपना प्रबन्धकाव्य रामायण लिखा तो उसे आदिकाव्य कहा गया। रामायण तब लिखी गई जब मनु के बाद से राम तक वैदिक मन्त्रों की रचना के दो हजार साल बीत चुके थे। भाषा विज्ञान का सर्व सम्मत निष्कर्ष है कि हर भाषा अपने बोलचाल के रूप को छोड़कर काल क्रमानुसार साहित्यिक रूप को अपना लेती है। जो वैदिक भाषा सदियों तक बोलचाल की भाषा रही, वह क्रमशः साहित्यिक रूप धारण कर गई और उसके समानान्तर संस्कृत या बोलचाल का नया रूप विकसित हो गया था। वैदिक ऋषि अपने मन्त्र अगले एक हजार साल तक भी, यानी महाभारत के समय तक भी उसी साहित्यिक बन चुकी वैदिक भाषा में लिखते रहे, जबकि क्रान्तीदर्शी कवि वाल्मीकि ने अपना प्रबन्ध काव्य रामायण संस्कृत के नए विकसित हो चुके बोलचाल रूप में लिख दिया और आदिकवि का खिताब पा लिया। वाल्मीकि वाली संस्कृत में ही एक हजार साल बाद वेदव्यास ने महाभारत लिखी और हगर दोनों प्रबन्धकाव्यों की तुलना करेंगे तो आपको उनकी भाषा में विस्मय कारी समानता मिलेगी जबकि सूर्य सावित्री और परमेष्ठी जैसे अद्भुत ऋषि कवि अभी भी उस वैदिक भाषा को माध्यम बनाए हुए थे जो सदियों पहले बोलचाल का अपना रूप बदल चुकी थी। महाभारत की कई सदियों बाद तो संस्कृत का नया बोलचाल रूप भी साहित्यिक होता चला गया और फिर उसकी जगह पर पालि-प्राकृत जैसी नई बोलचाल की भाषाएँ विकसित हो गई। पर बोलचाल की पदवी खो देने के बाद भी संस्कृत इस देश के साहित्य, दर्शन और समस्त ज्ञान-विज्ञान की अभिव्यक्ति की भाषा बनी रही। इसके आधार पर अगर यह कहा जाता है कि संस्कृत में ही भारतीय संस्कृति सुरक्षित है तो इसमें गलत कुछ नहीं। अब यह देश संस्कृत को खो देगा तो अपनी संस्कृति से भी नाता भुला बैठेगा। आज अंग्रेजी हमें इसी कुपरिणाम की ओर धकेल रही है और तब तक धकेलती रहेगी, जब तक इस देश के लोगों को यह अहसास नहीं होता कि अपने स्वभाव, चरित्र और व्यक्तित्व को बचाने के लिए अंग्रेजी को वैसे ही भगा देना है, जैसे कभी अंग्रेजों को भगाया था। इस भाषा का नाम 'संस्कृत' नया है। संस्कृत का अर्थ है- सुधारी गई या बढ़िया बना दी गई। असल में पश्चिमी विद्वान अपने भारत विरोधी उत्साहातिरेक में इस संस्कृत नाम से ही गच्चा खा गए। उन्हें लगा जो भाषा बढ़िया बनाई गई हो, वह सहज कैसे हो सकती है? बोलचाल की कैसे हो सकती है? बात भी ठीक है। पर समस्या यह है कि इस भाषा को बढ़िया तब बनाया गया जब वह बोलचाल की भाषा के अपने छह हजार साल पूरे कर चुकी थी और विद्वानों और आम लोगों के बजाए साहित्यकारों की भाषा बन चुकी थी। वैदिक काल में इस भाषा का कोई नाम नहीं था, था तो हम जानते नहीं। वास्तव में किसी भी सहज-स्वाभाविक भाषा का कोई नाम नहीं होता क्योंकि उसे कोई नाम देने की जरूरत ही नहीं पड़ती। रामायण के वक्त उनका रूपान्तरण होने लगा, एक ही भाषा के दो रूप बन गए, एक बोलचाल का और एक साहित्यि, तो बोलचाल की तब की संस्कृत को एक नाम दे दिया गया-भाषा जो नाम होने या न होने के जैसा ही था, क्योंकि सहज सामान्य नाम था और वैदिक संस्कृत को नाम दे दिया गया छन्दः। संस्कृत के लिए भाषा शब्द का प्रयोग महाभारत और उसके काफी बाद तक भी चलता रहा। आज से करीब सत्ताईस सौ साल पहले हुए संस्कृत (और विश्व) के महानतम व्याकरणकार पाणिनि को भी भाषा के अर्थ में संस्कृत का प्रयोग मालूम नहीं था। वे भी संस्कृत को भाषा ही कहते हैं और वैदिक संस्कृत को छन्दः कहते हैं। काफी आगे चलकर सम्भवतः मौर्यकाल के बाद जब पालि-प्राकृत आदि भाषाएं बोलचाल के सिंहासन की स्वामिनी बन गई तो 'भाषा' का नाम हो गया 'संस्कृत' अर्थात व्याकरण भी सहायता से बढ़िया बना दी गई भाषा, जबकि बोलचाल की भाषा को 'प्राकृत' (अर्थात सहज) नाम अपने आप मिल गया।

(साभार- नवभारत टाइम्स)

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क-
05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रं कल्याण संस्था का 37वां स्थापना दिवस

धारचूला। रं कल्याण संस्था का 37वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। ब्लाक सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि रं कम्युनिटी स्कूल धारचूला के संस्थापक एवं आस्ट्रेलिया प्रवासी देवेन्द्र सिंह गर्ब्याल ने दीप प्रज्जवलित कर आयोजन का शुभारम्भ किया। बुजुर्ग महिलाओं के मंगल गीत के बाद जीजीआईसी की छात्राओं ने संस्था का गीत प्रस्तुत किया। रं कम्युनिटी स्कूल के बच्चों ने रंगारंग नृत्यगीतों से मन मोह लिया। इस दौरान सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र लक्ष्य सिंह बौनाल को सम्मानित किया गया।

संस्था के उपाध्यक्ष जनक सिंह सिरखाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि सीमान्त के दारमा, व्यास, चौदास के रं जनजातीय समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिये इस संस्था का गठन किया गया। अध्यक्षता कर रहे राज्य जनजाति सहालकार समिति के उपाध्यक्ष अशोक सिंह नबियाल ने कहा कि सीमान्त की तीनों घाटियों में विविध बोली भाषा एवं विषम क्षेत्र होने के बावजूद रं जनजाति समाज आज बेहद संगठित है। नेपाल के व्यासी शौका समाज के अध्यक्ष वासुदेव ऐतवाल ने कहा कि भारत और नेपाल के सदियों से चल रहे रोटी-बेटी के रिश्तों में रं समाज का प्रमुख योगदान है। केन्द्रीय महासचिव पर सिंह नपलच्याल ने कहा कि संस्था सीमान्त क्षेत्र के स्कूल, हॉस्टल, चिकित्सा एवं मूलभूत सुविधा जुटाने के लिए हर संस्था सहयोग कर रही है। मुख्य अतिथि देवेन्द्र सिंह गर्ब्याल ने कहा कि वर्तमान में विद्यालय में उन्नत शिक्षा बच्चों के लिए उपलब्ध हैं। संचालक नन्द न्यास के अध्यक्ष कृष्णा गर्ब्याल ने किया। आयोजन मौके पर नेपाल के पूर्व विधायक गेल्बू बोरा, हनुमान नबियाल, महेन्द्र ह्यांकी, गोदावरी देवी, महिमन सिंह ह्यांकी, दीपक रौंकली, डॉ.विजय फिरमाल आदि थे।

आदि कैलास यात्रा : पर्यावरण हित में कदम उठाने जरूरी प्रशासन ने की है श्रद्धालुओं से मधुर व्यवहार की अपील

धारचूला। आदि कैलास यात्रियों के साथ बैरियर डालकर वसूली की शिकायत पर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए ज्योलिंगकोंग में पार्वती सरोवर सड़क पर डाला वैरियर हटवाते हुए सभी से श्रद्धालुओं के साथ मधुर व्यवहार की अपील की। दूसरी ओर रं कल्याण संस्था धारचूला इकाई के अध्यक्ष प्रकाश सिंह गुंज्याल ने कहा कि पर्यावरण हित में सख्त कदम उठाने जरूरी हैं। कहा कि पर्यावरण दूषित न हो इसके लिए ग्रामीणों ने ज्योलिकांग से पार्वती सरोवर लगभग 1.5 किलोमीटर तक सेना के वाहन को छोड़कर अन्य किसी भी वाहनों पर प्रतिबन्ध लगाया था, यह पर्यावरण के लिये जरूरी है।

प्रशासन और ग्रामीणों के अपने-अपने रुख के बाद डीएम कार्यालय में हुई बैठक में तय किया गया कि पार्वती सरोवर तक शटल सेवा से यात्री जाएंगे। कैलास विकास समिति व स्थानीय लोगों के साथ डीएम ने बैठक की।

अभिनव पांगती अब जर्मनी में प्रतिभाग करेंगे

डीडीहाट। वर्ष 2023 में पर्थ में हुए वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में दो गोल्ड मैडल जीतने वाले डीडीहाट के अभिनव पांगती अब जर्मनी में होने वाले वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में प्रतिभाग करेंगे। अभिनव ने पर्थ में वैडमिंटन में कांस्या और जैवलिन थ्रो में सिल्वर मैडल जीता था। इस बार वह जर्मनी में बैडमिंटन, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, एथलीट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने जा रहे हैं। दिल्ली में अभ्यास कर रहे अभिनव का लक्ष्य गोल्ड मैडल जीत प्रदेश देश को गौरव दिलाना है।

बताते चलें कि वर्ष 2016 में दोनो किडनी खो चुके अभिनव ने जिन्दगी से लड़ते हुए दूसरों को हौंसला दिया है। बहन दीक्षा ने भाई को किडनी देकर जीवन दिया। तब से अभिनव ने खेलों में तल्लीनता दिखाते हुए मुकाम बनाया है। 2023 में आस्ट्रेलिया के पर्थ में हुए गेम्स में उम्दा प्रदर्शन किया। अभिनव ने पि. हि. से बातचीत में कहा कि वह युवाओं को सन्देश देना चाहते हैं कि कभी भी निराश मत हों बल्कि सफलता के लिये प्रयास करते रहें।

ज्योतिष की बातें- 231

5 जून 2025 को बुध स्वराशि मिथुन में प्रवेश करेगा। यहाँ पर शुभ ग्रह बृहस्पति से युति भी करेगा अत: बुध अत्यन्त शुभ रहेगा। अत: बुध बुद्धि, व्यापार, वाणिज्य, लेखन, साहित्य आदि अपने कारक विषयों में अगले 16 दिन वृषभ, मीन, मकर, वृश्चिक, कन्या व सिंह राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

7 जून 2025 को मंगल नीचराशि से निकलकर मित्रराशि सिंह में प्रवेश करेगा। अत: मंगल अत्यन्त बलवान रहेगा। मंगल पराक्रम, खेलकूद, साहस, स्वास्थ्य, सफलता, शत्रुनाश आदि का कारक होता है। मंगल त्रिषडाय अर्थात् तसरे, छठवें और ग्यारहवें स्थान पर शुभ फल प्रदान करता है साथ ही कर्क और सिंह राशि के लिए योगकारक भी होता है। अत: अगले 51 दिन मंगल अपने कारक विषयों में मिथुन, मीन व तुला राशि के जातकों के लिये अत्यन्त शुभ रहेगा। कर्क और सिंह राशियों के लिये भी शुभ रहेगा। अन्य राशियों के लिये सामान्य फल समझना चाहिये।

गंगा दशहरा- ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष पूर्वाह्नव्यापिनी दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार गुरुवार 5 जून 2025 को गंगास्नान, गंगापूजन करके उल्लास पूर्वक गगा दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगीरथ की कठिन तपस्या से माँ गंगा का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण हुआ था।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 121

विचाराधीन कैदी-क्रूरता की पराकाष्ठा

सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार इस समय देश के जेलों में लगभग 6 लाख कैदी रह रहे हैं । उनमें मात्र 23फीसदी ही कैदी ऐसे हैं जिन्हें किसी अपराध में न्यायालय के द्वारा सजा सुनाई गई है । शेष 77प्रतिशत अर्थात् लगभग 4.5 लाख कैदी, तथाकथित विचाराधीन, ऐसे हैं जिन्हें सजा नहीं सुनाई गई है लेकिन जेलों में बन्द हैं।

वे बहुत गरीब हो सकते हैं जिस कारण जमानत के लिए कोई व्यवस्था नहीं कर सके या अन्य विभिन्न कारणों से जेल से बाहर आने का कोइ प्रयास नहीं कर सके । कुछ ऐसे भी हो सकते हैं जो छोटी सी गलती के कारण ही जेलों में बन्द हों, कुछ का अपराध बड़ा भी हो सकता है। कुछ तो ऐसे कैदी हैं जो सम्भावित अपराध की सजा से भी अधिक समय जेलों में काट चुके हैं। कुछ तो 20-20 साल से जेलों में बन्द हैं अर्थात् आजीवन कारावास काट चुके हैं, उन्होंने पता नहीं, कोई अपराध किया भी है या नहीं।

अंग्रेजों के जाने के बाद इस देश में कितनी सरकारें आईं, कितने प्रधानमंत्री बने और 52 तो मुख्य न्यायाधीश बन चुके हैं लेकिन किसी ने भी विचाराधीन कैदियों के बारे में कोई विचार नहीं किया और धीरे-धीरे उनकी संख्या बढ़कर आज लाखों में हो गया है । यह उन 4.5 लाख व्यक्तियों के ऊपर भयंकर क्रूरता है। क्या कभी कोई ऐसा मुख्य न्यायाधीश या सरकार आएगी जो इन व्यक्तियों को जेलों से मुक्त करे!

-ओंकार नाथ कोष्टा

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

पिघलता हिमालय के बढ़ते कदमों के साथ-
चन्द्र सिंह
मर्तोलिया
से.नि.वन क्षेत्राधिकारी
जोहार नगर, हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)